

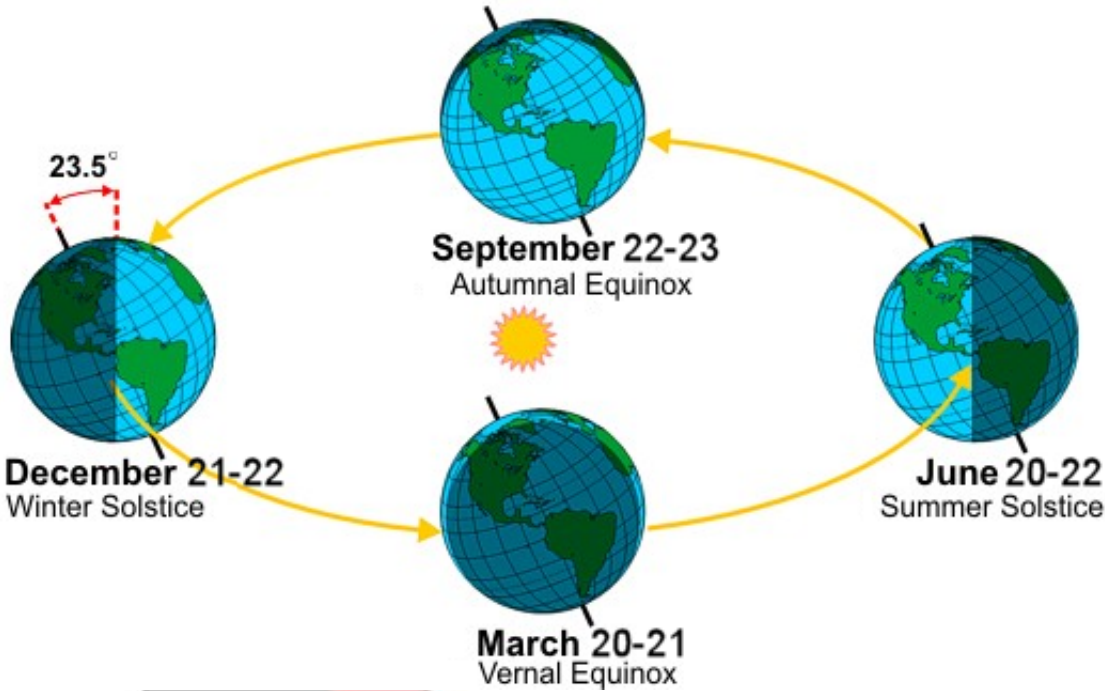
वसंत वषुव

वसंत वषुव एक प्राकृतिक घटना है जो वर्ष 2023 में 21 मार्च को घटित हुई।

वषुव (Equinox):

परिचय:

- वषुव वर्ष में दो बार लगभग 21 मार्च और 23 सितंबर को होता है, जब सूर्य सीधे भूमध्य रेखा के ऊपर होता है।
- वषुव के दौरान उत्तरी और दक्षिणी गोलार्द्ध दोनों में दिन एवं रात बराबर होते हैं। वसंत वषुव उत्तरी गोलार्द्ध में 20 या 21 मार्च को होता है, जबकि दक्षिणी गोलार्द्ध में यह 22 या 23 सितंबर को होता है।
- इसके विपरीत दक्षिणी गोलार्द्ध में 21 मार्च को वसंत ऋतु का आगमन होता है, जबकि उत्तरी गोलार्द्ध में 23 सितंबर (शरद वषुव) को शरद ऋतु का आगमन होता है।



महत्त्व:

- इसके परिणामस्वरूप सूर्य वषुवत वृत्त के ऊपर स्थित होता है और दोनों गोलार्द्धों को लगभग समान मात्रा में सूर्य का प्रकाश प्राप्त होता है।
- वसंत वषुव के बाद उत्तरी गोलार्द्ध मार्च में सूर्य के करीब झुक जाता है, जिसके परिणामस्वरूप सूर्योदय पहले और सूर्यास्त बाद में होता है जिसकी वजह से दिन बड़ा होता है।
- हिन्दू ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, वसंत वषुव को वसंत वषुवा या वसंत संपत के नाम से भी जाना जाता है।
- वसंत वषुव में सूर्योदय पहले और सूर्यास्त बाद में होता है जिसके परिणामस्वरूप उत्तरी गोलार्द्ध में पौधे अंकुरित होते हैं।
- वषुवत वृत्त के दक्षिण (दक्षिणी गोलार्द्ध) में सूर्योदय बाद में और सूर्यास्त पहले होता है जिसके कारण सर्द हवाएँ चलती हैं तथा सूखी पत्तियाँ गरिती हुई देखी जाती हैं।

प्रश्न. उत्तरी गोलार्द्ध में वर्ष का सबसे लंबा दिन सामान्य रूप से होता है:

- (a) जून माह का प्रथम पूर्वार्द्ध
- (b) जून माह का द्वितीय पूर्वार्द्ध
- (c) जुलाई माह का प्रथम पूर्वार्द्ध
- (d) जुलाई माह का द्वितीय पूर्वार्द्ध

उत्तर: B

व्याख्या:

- उत्तरी गोलार्द्ध में 'जून माह का द्वितीय पूर्वार्द्ध (21 जून)' वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है।
- अतः विकल्प B सही है।

स्रोत: [टाइम्स ऑफ इंडिया](https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/vernal-equinox)

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/vernal-equinox>

